

जय माता दी

ॐ
श्री गणेशाय नमः

श्री गुरुवै नमः

श्री नवरात्रि महामहोत्सव 2017

❁ 21 सितम्बर से 30 सितम्बर ❁

श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के प्रांगण में



NAVRATRI 2017



nav-naav utsav

दिव्य सान्निध्य

श्री ब्रह्मर्षि गुरुदेव

“जिनकी एक दृष्टि जीवन की दिशा व दशा दोनो बदल देती है”



जय मातादी

शक्ति और भक्ति का अद्भुत समागम श्री नवरात्रि महामहोत्सव

श्री सिद्धेश्वर तीर्थ – जहाँ श्री नवरात्रि महामहोत्सव के दस दिन संसार की जननी अपनी समस्त दैवीय शक्तियों एवं अस्त्र-शस्त्रों के साथ उस पवित्र तीर्थ स्थली पर आ रही हैं जहाँ स्वयं संसार के जनक – 'ब्रह्म रूपी गुरु' विराजमान हैं।



पद्मावती माता

एक ऐसे सिद्धेश्वर जिन्होंने पुरातन ऋषि मुनियों की लुप्त हो रही सिद्धियों और शक्तियों को खोज कर पुनः सिद्ध किया और अनेक नई नई सिद्धियों की खोज कर सिद्ध कर रहे हैं ताकि परमात्मा के प्रिय बच्चों को उनके कष्टों से निकाल कर कर्म कटवाते हुये परिवार से परमात्मा तक की यात्रा सफलता पूर्वक तय करवा सकें। संसार रूपी भवसागर से पार लगवाते हुये मोक्ष तक पहुँचा सकें।

श्री गुरुदेव की अनवरत साधनाओं को देखते हुये लगता है कि अब तो मानवता की सेवा ही उन का जीवन हो गया है। इस हेतु अर्हनिश निरन्तर लगे हैं कि कैसे सबके जीवन में आध्यात्मिकता के साथ आनन्द और उत्सव ला सकें – चेहरे पर नई मुस्कान दे सकें – कह सकें – हे जगत जननी माता – अपने बच्चों को संभाल लेना।

श्री गुरुदेव सदैव कहते हैं – 'कोई भी फल सीजन में वहाँ सस्ता मिलता है जहाँ उसकी उपज होती है। आज नवरात्रि का त्यौहार आया है – माँ के आशीर्वाद और गुरुकृपा की प्रसादी का सीजन आया है और तुम वहाँ आये हो जहाँ वह फल होता है – माता पिता के दरबार में जो मांगना है मांग लो – कहीं समय व्यर्थ न हो जाये।'

अतः सभी से विनम्र निवेदन

“ आना है खाली हाथ ले जाना है झोली भर साथ क्योंकि संसार की जननी एवं संसार के जनक का आशीर्वाद एक साथ प्राप्त होना अपने आप में अहोभाग्य है। ”



श्री गुरुदेव के संदेश

- 'शिक्षा, सेवा, साधना' Learning, Earning and Returning यही हमारा जीवन है।
- जीव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। धर्म ही 'सेवा' है, सेवा ही 'पूजा' है। "स्व" को ऊपर उठाओ और "औरों" के जीवन को उठाने में प्रेरक और सहयोगी बनो। यही है 'स्वधर्म' और 'परधर्म'।
- जीवन में संयम, अहिंसा, तप, दर्शन और चरित्र (कर्म) का सुन्दर समन्वय होना चाहिए ताकि हमारा जीवन आत्मदर्शन का बने प्रदर्शन का नहीं।



सिद्धिदात्री माता



जय मातादी

श्री शक्ति अराधना का आलौकिक पर्व श्री नवरात्रि महामहोत्सव

21 सितम्बर से 30 सितम्बर

महा आशीर्वाद – माँ भवानी का
दिव्य सान्निध्य – श्री ब्रह्मर्षि गुरुदेव
–प्रतिदिन के मुख्य आयोजन–

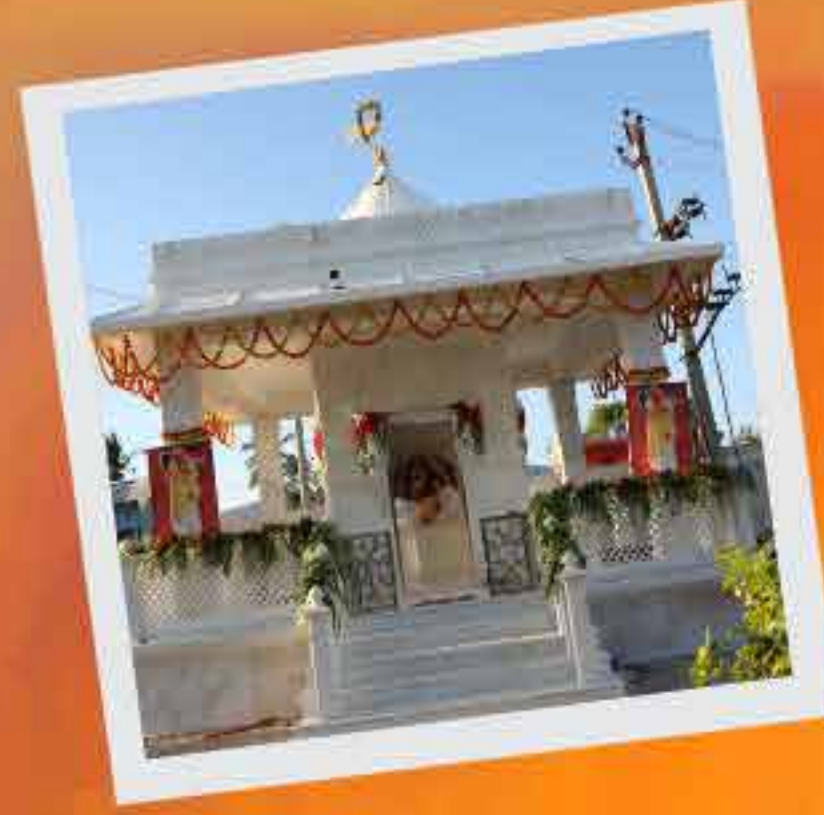
पूजा-अर्चना, कष्ट निवारण कल्याणकारी पूजा, आरती, गुरुवाणी,
कल्याणकारी प्रार्थनाएँ, दिव्य आशीर्वाद, नवकार महामंत्र, शान्तिपाठ, मंत्र जाप
योग प्राणायाम एवं विशिष्ट ध्यान के प्रयोग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति संगीत-डांडिया – गरबा एवं अन्य विभिन्न कार्यक्रम



विशिष्ट कार्यक्रम

प्रथम दिवस, 21 सितम्बर – प्रातः 10:00 बजे – कलश स्थापना
सप्तमी, 27 सितम्बर – श्री गुरुदेव द्वारा मंत्रों की शक्तियों से 'माँ के दिव्य नेत्र दर्शन'
अष्टमी, 28 सितम्बर – माँ पदमावत्यै पूजन एवं महाभिषेक, सुहागिन पूजा, कन्यापूजा
नवमी, 29 सितम्बर – महाचंडी यज्ञ एवं पूर्णाहुति, गौदान
दशमी, 30 सितम्बर – महा आशीर्वाद, जयन्ति वितरण एवं पारणा

Sri Siddeshwar Teerth – Sri Brahmurishi Ashram
“Service to Humanity is the best work of Life”



LEARN • SERVE • ASPIRE



Vishwa Dharma Chetana Manch
Sri Brahmurishi Ashram
Tirupati, India

TO REGISTER
PLEASE GIVE MISSED CALL TO
1800 200 6306

For further
details contact
7829300690

निवेदक : श्री ब्रह्मर्षि आश्रम परिवार, तिरुपति

आश्रम संपर्क सूत्र

विश्व धर्म चेतना मंच

श्री सिद्धेश्वर तीर्थ – श्री ब्रह्मर्षि आश्रम

सी-रामापुरम्, रामचन्द्रपुरम् मंडलम्, आर.सी. रोड़, तिरुपति (आंध्र प्रदेश) 517561

Phone: +91-877-2247056, Telefax: +91-877-2247059

Mobile: +91-9866622049, +91-9395149611

Email : yuvanavratr@gmail.com

Email: contact@sribrahmurishiashram.org | URL: www.sribrahmurishiashram.org